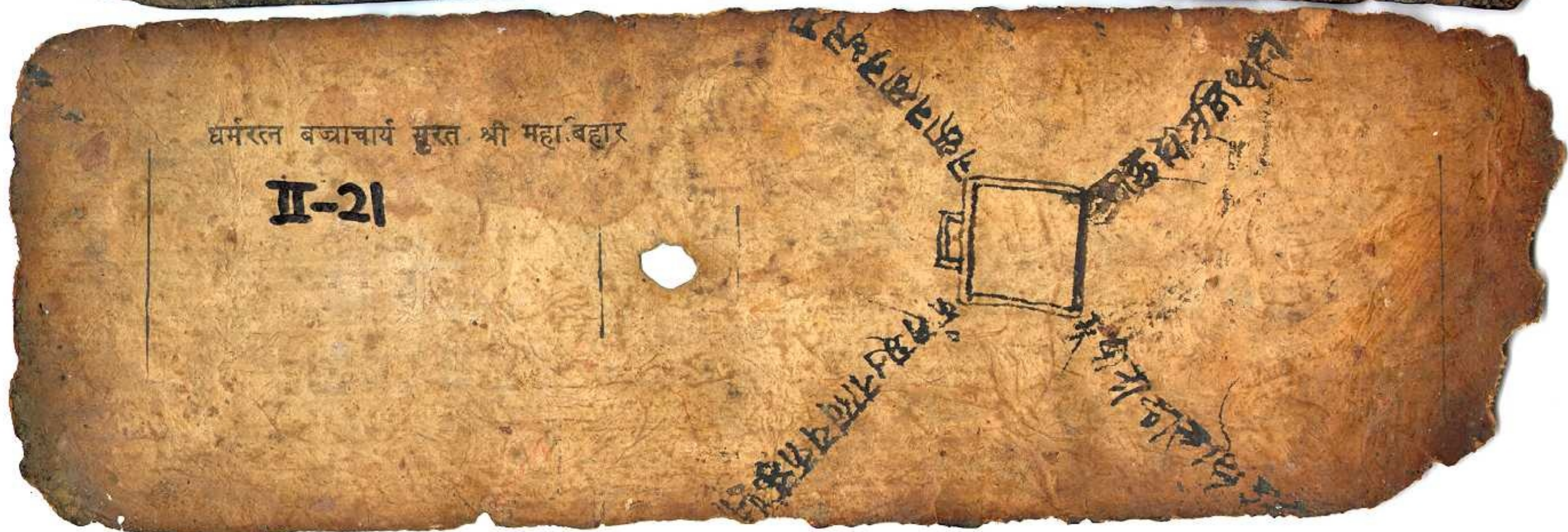










ॐ नमः श्रीवक्रसंस्वनाय ॥ मूढाकृतादधायनयादुत ॥ मच्छुंरुनांदवनां धायनयाद  
 कुरुवा ॥ नकस गुनुमपुल ॥ आदिसमय ॥ मपुलधिनक लरेववलिधाय ॥ संपुष्टन  
 कलदगुनियाय ॥ धातिधूनदा ॥ वदवयुजा भाक्षानिद ॥ यच्छुंरुनां मथन  
 धिनक स्नानताना ॥ दकुणायु ॥ जा आगिद्वोद ॥ यंचकुंरुसमथ ॥ यच्छासुनस  
 मय गणवक्र ॥ कलंकधाय ॥ धनमूडास स्नानद्वलन ॥ रात्रना ॥ निनाञ्जन युजायान  
 क युष्मन्नाग ॥ गताकुरु ॥ धनलिधवेक ॥ धमस्नाननकुमीरावना ॥ चक्रधन संस्वनस्य

यस्तवक्रवावादीनुर्याविज्ञावा ॥ स्वदुदिरुमनुवे नादिरुनदवतायवशा ॥ आकमेण  
 वक्रोऊंएल कष्टिनुवकमखला ॥ युक्षासममितारुनत्तसंकववेनाचणश्रुमा यमिद्विनुय  
 आदिकिविविक्त ॥ आकमेण यूर्य ॥ नाग धनकियक ॥ गीरु ॥ नागवितास ॥ नालम  
 य ॥ धनधनदुधनधानयधाने ॥ यचकोमिन ॥ मदेमदेवक्रधकसमन ॥ ऊंदकुजा  
 गसुविनवम ॥ कुनुकुनुवक्रधमसमिथ ॥ त्वंआवाविकनकवपुवम ॥ ऊणुलिऊ ॥ पुनिमि  
 न ॥ सूर्यश्रुनरुमा ॥ विधमय समनसदात्तमद ॥ नत्ताधुकवनेवक्रगिभकथकथकमानव







ले

नामाद्यमिद्विभूयिर्न शीवकृतमवमुदयं ॥ उं शीवकृतमवमुदयं ॥ उं शीवकृतमवमुदयं ॥  
 दा ॥ वसुसूत ॥ यद्येगदमनूयार्क ॥ गृहदत्वमतावीन यद्येगदमनूयार्क ॥ शीवकृतमवमु  
 डयवध्यायात्मसंस्मृतं ॥ शुद्धन ॥ मिद्विदीर्मा ॥ धममूलमनुजाय ॥ स्वानताम ॥  
 मय ॥ धनियूनदाव मणुलया ॥ तामा ॥ धिंनयन ॥ धनद्वननयार्कधनक्रियाशुना ॥  
 ॥ ॥ यिर्वनवदाव रुमालकायन ॥ वलियाहद्विविय ॥ श्रावमन लाकयालादि दयावि  
 यावलिमाता धूनदाव नद्वियदय ॥ ७५ ॥ उं नमः शीयमनूयधनय ॥ ३ ॥ वदमा

वनवनानद्वि ॥ शीवकृतमवमुदयं ॥ गिरुलनका मनुशुद्ध ॥ नामादिक्कवारं य  
 रुतिनगगणात्यक्का काकाशमर्ग ॥ मज्जतीनदवृद्धानवविमनसनी त्मागलतां पुर्ववा द  
 स्मद्वरुययात नववृद्धगवतः ॥ यमनृत्तध्वनम्या ॥ शुधिव ॥ यासाससा नववृ वि  
 नावयतिमनः सन्निथा गोत्तदत्त ॥ माधीयसा यसादा द्विद्वुर्न निद्वुर्न स्वामिननि  
 ॥ ययक् ॥ तद्वयत्तामवर्ध ससुवयति सत्तं कल्पनाकालमूर्क कयोत्तसाधियर्ग गितगिदि  
 नयं सहुनंसवकालम् ॥ ७६ ॥ शुधिव ॥ यसाधिवृद्धकाटिकोठिविद्वयध्वनत्यासवै युद्धनम







कूटकिनामिनिशासूनचनणरु(गं१॥ क॥ यादियवजसतयनमध्वनयनमधदो  
 गाधसूनिवेदुयिठिके(पकटददहधन॥ वाविष्टरुलनसूचाविष्टयाकटकमनरुगा  
 ॥ यादयूजा ॥ त्वाकनाग ॥ शाक ॥ किश्किक्तलयनिगहागहनविबगासायवद्वय  
 : त्यादि ॥ ॥ नागकिनवि ॥ ॥ कालसनालानमदिमेषुलभनुसमुदा॥ अनधन  
 योरुनडदकविंवचडा ॥ क॥ यमूनअनुमिय यायनगयन॥ रुनयनिहोसायि दिन  
 णनाया ॥ ॥ क(आधानादंडीया विषयसर्वेनकाश्मसुडननेगाकिननकअनका ॥

यवनदयिरुठिदिया दधधोयवीया॥ कलतयिवजाननदददिददाहेया ॥ ॥ सुग  
 रनिगोवयिया नदायिनसाया॥ सुनरुवजहनयि अविननयवधना ॥ ॥ शाक  
 वनसर्वसत्वा संगहन संगदि ॥ ता अणुजावा रुनायूजावा संगरुजावा डायद  
 कावा नूयिनावा अनूयिनावा ॥ संगीनावा असंगीनावा नेवसंगीनावा मायग  
 नावा मध्वरुसत्वा मयामदामुडामरुयदं यतिस्त्वययिरुवाः ॥ त्वाकनाग ॥ शाक ॥ शा  
 कालमदयरुनं दकालंददुशुचं नूकानमयगरुवदं ककानेनकादिनास्तिरु ॥







क ॥ नृयायानचवमेतात्कतया ॥ ममपुलयासिमश ॥ ॥ वदतिथनरुदात्यनिममि  
 कननवेदं २ वृद्धविवृद्धकावनयावियनिरुमिदमेकना ॥ कनाहं कनाहं कनाहं कनाहं कनाहं  
 हं ॥ ॥ शोक ॥ विष्णुमपुलचक्रमा ॥ कलयनं चरुकिमुद्रामुमि २ ॥ ॥ नागविष्णु  
 ॥ ॥ लाल ॥ यनमननानचक्रमा ॥ वनगावर्क २ नचविशदनचक्रमाहनगादक ॥  
 मा ॥ नमानिहमृदणविद्यणचघनमादनसाचयविहं ॥ नागनदधनमादनरुणीका २ न  
 वथशून्यसमाननदय्य ॥ गोवनगावनमिहणमेहनिह्ननंगमरुजकविशुद्धि ॥ ४ ॥ यथ  
 ॥ ३ ॥

ननुयननुवदतिताका २ ननुयवदधननमुचा ॥ लाकासुहतिवतिमंदर्त ॥ त्वविताकृत  
 मिदिनलया ॥ ॥ ॥ साकृन्धनननुया २ चद्रवसनचचिरुविशुद्धि ॥ सागनभम  
 नमयनविशुद्धि शुद्धसुगावर्क ॥ गाऊयमन्त्र ॥ ॥ ॥ शोक ॥ यादनाययुथीवा  
 घाटिकयनियदरुहुताढहुहाल ॥ टकककहुघ ॥ धनिहि वयिजगतासगृष्टिज  
 नि ॥ विज्ञानस्यावनियः यममनविषयनीमणास्वा ३ याय यायादायनयक ॥ रुयहुदय  
 रुदयः ॥ तापुर्वहनुकस्या २ ॥ ॥ नागमनिनी ॥ लालमाठ ॥ सुतनिवर्जनयनमयकु सुव



मायसंहाड १ हावदवियसंवठा नानासिद्धयिजाव ॥ ॥ शाक ॥ त्वं वरुसतवुन  
 नधनसतवधो गायदिमां नतिमना ॥ महाथकाभेभका मादिमांजनकसत्वमहायवधि  
 यदिष्टमजीवतु मष्टनाथ ॥ ॥ नवरुवनडनिर्वोनरुदि ॥ नरुसामदासुवड १  
 जागवळं मनगावळं सावमा ॥ दयिके ॥ ॥ शाक ॥ त्वं वरुकायवडसतव  
 यियागवकं वृद्धार्थवाधियनमाथादितानुद ॥ नाग ॥ नागसमयासमकामयसु यदी  
 छसजीवतु मष्टनाथ ॥ २ ॥ शुक्रनमरुविवरुया सासाविद्वनविह १ नरुसायनमरु

सुहा नारुदिनविह ॥ ॥ दा ॥ शाक ॥ त्वं वरुवाचसकलसादिरुनकयी लाकाथकाय  
 कवणसुनसंवृक ॥ कामादिमांसुनरुतवयसमनरुड यदीष्टमजीवतु मष्टनाथ ॥ ३  
 डिमयदिविद्वसंदावठा किमि ॥ गावयिमनगाव १ सुतनिर्वंजनयनमयु न  
 नळं युगानयाड ॥ ॥ य ॥ १ ॥ त्वं वरुकासमयागमहादितार्थः सवृद्धवंग  
 तिलकः समतानुकंयी कामादिमांसुनरुतवयसमनरुड यदीष्टमजीवतु मष्टनाथ ॥  
 ॥ ४ ॥ किमरुनमष्टवडसदि नामाचरुनमिष्टयि १ किमिसामप्रसवकठा हनयम



दावसुद्ध ॥ १ ॥ <sup>लान</sup>नागशुद्धि ॥ शुद्धशुद्धनलको यायिनसम्वन अनायिकावानव  
 गा २ शुद्धवानन मदि यावस्वान मरुडक गादिगवसा ॥ ५ ॥ नममात्रुसम्वननाथा समनसु  
 ७ द्विभानुकावा २ दमविनाजिनव ऊवानादी रुदामदिमानुकावा ॥ मानिहायनवनसु  
 दमयन कयुनरुयिकवाला २ गग निवा वरुकेनियान मनुमपुलकवनिता ॥  
 क्रियच्चनुद्रवाक रुद्रादिगेवमम्वन यायेमयिगुनरुतावा २ दमविनाजिनवरुवानादी शुद्धविम  
 धानुयामिषुधाना ॥ ॥ गावकिनीलावरुकलियावस्वान सतयुनवनमशुनाट २ समयाशुनदरु

दिनका ३

लियात्रमपुल सम्वनवरुवानादी ॥ ॥ शाक ॥ चपुली कवलील याजिऊयदाइलतितावे  
 धरुविश्वरुलिमदासुर्वविलचनर लीनसावाधादय ॥ शुभ्राजगः गगायिनवृत्तियदया  
 कयिधरुयया दगदगवृदय दयदसदजायनद्वायचद्वामरु ॥ ॥  
 नागकादि ॥ काल ॥ कोला ॥ यिप्रथियावाला मदमूनिवर्ककालायि २ घनरु  
 यिधिदायिवजायि कनुणाकियायिनलाला ॥ ५ ॥ मनयाजगकृद्वुवजायिब दिद्वि  
 मातदिनावरुयि ॥ रुदिकेनुयारुयिगाट मायेनायित्तयिया २ दवकोलरुनयविमद्व







[illegible]

॥ दिग्व्यूजा ॥ यूध्व ॥ यूध्वकाकास्मादिदवतासगणयनिवासां कर्मथह ॥ १ ॥ उंकाकागाई ॥ उं  
यमानकई ॥ उं व (पु) गदायस्वाहा ॥ य (स्व) यदानयुजा मुक्तिमनुत्तयेण ॥ २ ॥ अ (पु) ग ॥ उं  
अ (गु) यमदातीसगणयनिवान ॥ अ (क) कर्मथह ॥ उं यमदातीयईरुह ॥ उं अवेनई ॥  
उं अहहदासायस्वाहा ॥ य (स्व) यदानयुजा मुक्तिमनुत्तयेण ॥ ३ ॥ दक्षिण ॥ द  
क्षि (ण) युकास्मादिदवतासगणयनिवानां कर्मथह ॥ उं युकास्मायस्वाहा ॥ उं युकाक  
यस्वाहा ॥ उं कर्नकई नवायस्वाहा ॥ य (स्व) यदानयुजा मुक्तिमनुत्तयेण ॥ ४ ॥ नैमत्य ॥



ॐ यमदूतीसगणयनिवावा ॥ कथं थ ॥ ॐ मद्रुतीयस्वादा ॥ ॐ ककीनाऊरुं ॥ ॐ लक्ष्मीव  
 ॥ रुतासनाय स्वादा ॥ य ॥ यदा नयूजा सुति मरुतयोन ॥ ४ ॥ यथिम ॥ ॐ यथिमश्च  
 ॐ नागादिमगणयनिवावाणाक  
 ॐ दा ॥ यं वायदा नयूजा सुति मरु  
 वक्रवलिमगणयनिवावाणाक  
 यदा नयूजा सुति मरुतयोन ॥ ६ ॥ वायुवो ॥ ॐ यममथनीसगणयनिवावाणाकयथा

ॐ ॥ ॐ यममथनीयस्वादा ॥ ॐ नीलदण्डयस्वादा ॥ ॐ वायुवास्वादा ॥ ॐ धानाभकावायस्वादा  
 येवायदा नयूजा सुति मरुतयोन ॥ १ ॥ ॐ रुत ॥ ॐ डलुकागादवतासगणयनिवावाणा  
 कथं थ ॥ ॐ डलुकागायस्वादा  
 यदा नयूजा सुति मरुतयोन ॥ २ ॥  
 थं थ ॥ ॐ यमदंडीयस्वादा ॥ ॐ  
 वायदा नयूजा सुति मरुतयोन ॥ ३ ॥ ॐ युद्ध ॥ ॐ युद्धसूतनाऊवितासगणयनिवावाणा



अ  
ल

कथयन् ॥ डं अर्द्धं मरुता जायत्वादा ।

॥ २० ॥ धनं लोकपाल दिग्युजाविधि ॥

पुलकालयित्वा ॥ गीत मध्यामम्

॥ यक्षाय दानयुजा सुक्ति मन्त्रयोर

॥ धनवि युजा रुय रुना गुन्यादाय ॥ गुनम्

गीतमाला

१३

॥ नागरो नवि ॥ गालसांय ॥ मध्यामम् मरुता मुनिकनकाजिह्व ॥ सुविददं वृद्धायं ॥ अयनगा  
तायनि डल्लनकु नुरुवन यश्च तर्ह्येयश्च जिने वाधिष ॥ अर्द्धं मरुता मुनिकनकाजिह्व ॥ सुविददं वृद्धायं ॥ अयनगा  
न विध्वरुत यश्च मरुता मुनिकनकाजिह्व ॥ सुविददं वृद्धायं ॥ अयनगा  
जाकवदना मया डयदीयं नाडयदीयं ॥ अयनगा  
यदीयं धीरव पुयनम् ॥ ॥ द्विने  
वनाडयनिस्वामवर्क वजायनिकु ननिदिदयनि ॥ ॥ गुन्यादाय ॥ गुनम्



सुमडदयविमयनिधजा १ यणवयविमानधि मययवियुविह रुवजवनिधिसांशुदुह ।  
 ॥ सिंधु ॥ आदिरामय लंखवलिहय ॥ सयु ॥ चकदगुविहय ॥ ॥ गीत ॥  
 नागदंभाय ॥ तालकडि ॥ साह्य ॥ रुवजविनाडिगभौली नागलसकुटेकगिया १  
 वामसदंगकयानधनिया द ॥ दिनकनविभनिया ॥ ॥ ॥ कयिया ॥ नकुकेग  
 दजानद १ कवणसदावगुनकुलिना नमहुं कसदजानद ॥ ॥ निवयसमपुलद  
 दधनु ॥ धनियवूननगिनमाला १ निनिधादुडकदलन कियन १ कदविनकुयुनका ॥ ॥

सत्वविणमणवुवधनुषन नायणकोधधनु १ राअणदियगिवद्वाननल कण्ठकपुकविः  
 शाक्ष ॥ ॥ चालिमालिअववाधियाल चउनवुक्कविदावी १ मंतगुन्याययगादगावः  
 क्रियनमादिवजा ॥ ॥ नागः ॥ नाडि ॥ तालसांय ॥ नकालासुदमपुलवक दददि  
 गजिनदलणा १ स्वयंरूडसुमः ॥ नवसुनवियाधिरववुअनदष्टगावा ॥ ॥ वा  
 नादीणासम्भवा मानदयीयाली १ नीलावणददवुवमानादवणुली ॥ ॥ कनठिकनारक  
 खद्वकवाभ मकुटकणादिगवणा १ के० ककेयुनयुनदवखणुल दिनगुनकगुद्यनागा ॥



॥ का क स म्बल गा गा नू व व व श्रान द न ॥ १ ॥ २ म ऊ व ऊ आ भा व म हा मू डाय मि छि ॥ ॥

गू न्ना क नू म्दा व नू व वू कू टि वि मु का २ म य न म हा सु द मा धा व था गि नी क न यि श्रान द ॥ ॥

अ स द श्रान द द लिय व न द लिय

वू क लू नि न वा स १ व ऊ वा ना दी आ लि गे ल म य न

स वेल व द क वाली ॥ ॥

॥ ना ग य न मं ऊ लि ॥ गाल मा ० ॥ अनिल अनल जल १७

ऊ न व मा सा भ नू म ल व क ना या २ व ऊ य ऊ न स ज्ञान स य सा वि न भ नू म ल व क ना या

॥ ५ ॥ उ म नू द न यि या गू न्ना क नू ल आ लि गे ल द नू व द न यि या १ व ऊ वा ना दी आ लि गे ल

ले ३

स म्ब न द ल यि या ॥ ॥ ऊ हि स वि न वी न य व ऊ हि ऊ हि न हि न हि अ ग म स्तान १ अ नू

द न स वे द व व ऊ या द १ द वी मि न कि न य न मं दा व ॥ ॥ हि रु व न उ ऊ न क ना य रु वा द

हि रु व न उ ऊ न क वि ना १ णि नी रु व न न स य सा वि न हि रु व न उ क वी ना ॥ ॥

अ दि नि सा स रु गु ने वा न उ ना ग ऊ दि ग न रु वा अ रु वा १ ऊ न ल म न न रु य व व न

ऊ दि ग न रु य ना नू अ धि य सं रा वा ॥ ॥ ॥ ऊ रु सा ध न ॥ ना ग ना न गाल य कि ॥ न क व

लू नि नि ना य न सु द नी १ अ हा द १ उ ऊ य रु न ल कि ले न ॥ ॥ ॥ उ ऊ द वी वा नू नि मा म कि



द्वय  
गीत  
चित्र

सथपूजा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



का ५-६

॥ वलिवियमूनदाव ॥ यक्षयदानयूजा लागा घण्टाः मुक्ति मरुतय्येता ॥ स्वानरुन गताक  
न दहणायूजा ॥ दगुनिसम आगिदाद वलिविसरून वलिक्षय ॥ गीत ॥ नागमलाठ ॥ नाग  
॥ मर्क्यालकोनविकालंरुलिये वृत्तनीतीकाया ॥ सद्येनिनूयल्लयूजनयूजक डिम  
ऊलेवद्वनमाया ॥ ५ ॥ हं हं हं ऊरुवाऊक वलियाव मायिपविशाहिया वलियाव  
यक्षामियन सकुलिसडाला (गाक) दहनयक्षसाली ॥ ॥ डं आ हं हं वलियाव वृत्त वीय  
समयनिनवीधि ॥ वनगसूतगसंहावाव अद्यमाकुरुंति ॥ ॥ हं हं हं मऊलयकाव रुत







स्वादा मसुडवान ॥ २ यूजायुजिक यूजश्रुताव तत्त्वसुवयवितावन ॥ ५ ॥ खखखादि  
वलियूवान घघघातयघातयविघने यंवामियानम यक्षमाविन यक्षरूपनसवेतिना ॥

ॐ  
ॐ

॥ सवेयकनाकसकृत्थन  
न ६० दवलियुक्तुन ॥ ॥ दा

यिगावाग्नादायस्मानन २० कठाकिनीइये अरुम्भसा  
नयकसवेकायत्तया नवेसुखसंयतिवृद्धिन २०

२६

संमान तथगतवयन सवेसुखसंयतिवृद्धिन ॥ ॥ दानयतिसवेकायसिद्धिन ३ ३ ३

सवेसिद्धिसंयदगाकिन २ यधवास (धवा रुं ८ यिव जियथमरुकनहुल ॥ ३ ॥

॥ वलिदकाष्ठा य भुनदाव मूलवलिन गावकक्षयाथन रक्कधनीणीयुवखं गच्छयंदनइंद  
य संउनयातानीदेकर्यन ॥ गीर नृत्त मानकासां रक्तनथायवन द्वादविका ॥ वागमृउगी

नि ॥ गालवंदयति ॥ द्वाविसनव

न विलासयिकयिस २ ६० रुवाठामपुलनाया

॥ ५ ॥ रुकाववजगतनिवसे

यान २ ६० रुवाठामपुलनाया ॥ ॥ अमिय

मियनिवजनद (ग २ सदज सुडा नीयेयाजिनहनययिग ॥ २ ॥ नववृजामीनीनमन २

वरुवानादीशालेगनकाल ॥ ३ ॥ ६० रुवाठामपुलनाया ॥ ३ ॥ रुयशालेगननीनावनवाले







विश्वसय । ॐ तिष्ठ गीतन यावत्सम सर्वसत्त्वानां च दिनस्य सूत्रं न भान्ना यज्ञावनाया (ग्य)  
 सत्त्वानि महासूर्यं यष्टुद्वय । यावदावाधिमंठल ययर्तंशकय सेसदायतां गीतिवर्त्तां कुरु  
 ध्रुवः सर्वदृष्ट मूढायर्त्तं क गीति नर्त्तां कुरु स्वाहा ॥ यिंठिक मङ्कगुनिया वलिमाला  
 न ॥ ॥ नमो भो यदि कानां सर्वतथ गतानां वाधिधमेतां वलि अंशुसामानं ता वाक्कसा २०  
 मनि हन १ एवित्ताग वृद्धे भवत्तम न १ समन १ समवना हन १ रुय गगण महावलक  
 ए कल १ न सागव स्वादा ॥ ॥ चेतक मेदगुनिया वलिमाला ॥ समन वानवदमणि कालि  
 कगिनय क नुमायाति ध ॥ ॥ दिन नाति के त विधि विविक्त चात्मरु सुत संशु कवनोमस ॥

नागरुनविनातालभांयनेष्टुयमाक कनीलसदनन वज्रवतालीसंयूढव (पु) गम्भः ॥  
 न १ वज्रमुज्जव नवीनवीन वषट् ॥ ॐ डादिनियुगणद्यातकनण ॥ ॐ ॥ द्यद्यंघात  
 य १ सवदृष्टव कोलयर्द्धरुद कोलय ॥ ॥ श्रीवज्रसत्त्वो नाथो यायद्व १ डे वज्रकीनयवज्रवनश्रु कायवाकविठ  
 सदनन नं नोडकनं करं ववयुतालथ १ अयवाजिनालिगिरुद पुकनण सामंतीरुद  
 दृगणघाकनण ॥ १ ॥ यश्चिभयशान्क केनकसदनन कालाकुलयिरुवभरुकुद्या  
 xदियदभाऊरुलेदके



निंगिर १ यज्ञादुदधुधनविनविक्रम नागादिदुष्टगणघातकलण ॥ ३ ॥ इह न वि  
प्राक्तकमचकसहनन न कदासंयुद्धक न भग्नानि १ विश्ववर्जाकिरुदधुधन क  
धनादिदुष्टकंघातक न ॥ ४ ॥ दहनठकि नाक कालसंदहननं वरुदवीसंयु  
ठ वरुदसं १ अदुददासमहाये न वम दहनादिदुष्टकंघातक न ॥ ५ ॥ नि  
मगानीलदणुनीलसंदहनन वरुधुवलसंयुद्धवकी कदधुक न १ लक्ष्मी वरुदगागनम  
हायि न वम दिगिजादिदुष्टगणघातक न ॥ ६ ॥ मोचुनमहावलधवलसंक्रन व

उमभानिसंयुद्धकिगुलदसं १ धावाधकालमहाभग्नान वाहादिदुष्टगणघातक न ॥  
७ ॥ र्वीगानेशुचलनीलाकसंदहननं यल्लेशवनीसंयुद्धवरुदसं १ गौमकिलिकिलवम  
हायि न वम र्वीगानादिदुष्टग  
ननं महायगिसवासंयुद्धवेक  
गणघातक न ॥ ८ ॥ अथंगरुवाऊनीलासंदहननं सकिरियुद्धवरुदसं १ कूचनवम  
विरुधुधिवीसगणघादिदुष्टगणघातक न ॥ ९ ॥ विरुधुवनेकीयिगकलिगदंकाव



वज्रहं कालं नीलदह २ युगमा मिदग काधना कवाकं सवे संयति कनभा कुरुलदं ॥

(शाक) ॥ यमत्वात्तादि ॥ ॥ गीतयमादि नृत्य ॥ शाक ॥ युजाथायनय ॥ वाय ॥ गुनूमणुल मिथ

दि

माधन चडदिगआचाया मुडाहन

न थायनयं मुडाना थवथवकना शाकिगाहितनं

स्वानकृष्णं ॥ गावना ॥ नासमाल

का चडसाधक युक्ष थायं नित्यक निगावलिविस्मं

क्षय क्षयक्षय गीत अनिल वक

वलन दवया गीत

नमानि शास्त्रेन वाथ विनिश्किना त नृयणसया दीना क्षु वंथय ईसा हा ॥ थाना ॥

चडदिगुनिक्रियं ॥ ॥ नमस्क उकउ किं न यविशनु ममगिरु ॥ अ

2

(चक्र युजाया गीत शीतनस

युजायुजास गीत हाडआनन  
गीयस भनभन यिनवय  
गाक नदि नमस्मान

विश्वसना नुरु

हनागिल यादयुजाकं २२६

नृणमदिमणुल (शाक) यस्मान

इष्टमणान युजा युवनिमा वि

दिग गीत अका नकार

कालन यमादिग युजाशय

स (अभमन्

का मुडा

निजक पिशावलिविस्मं क्षय

युनिन गीत नकवन्तु

दवया गीत शिवक

गीत गिरुवनकालिन नृत्यमूल

सययुजा नमस्क अकाष नृत्य

युनानिनऊन (शाक) जालिह

दकिगा गिरुजा मूल नृत्य वृक्ष

मूलथायिनियाथन गणचक्र वामद

मूलआचय नृत्य गीत कालो ॥ (शाक)

यवशाति मलवायन नदिग गीत हाड

कारुन युवचायया भनभन गीत

दकिग नोयया नमासिचणुमहा गीत

गुक्तिमवायेया गीतयनमल

कोया गीत कुरुददभन

गाद न न वरुगाम

ने ६०४ नक



मयं तां सद्यः ॥ दत्त  
दत्तं ज्ञानं  
सर्वं सर्वं वाचा  
सर्वं सर्वं दत्तं ॥ ज्ञानं  
सर्वं सर्वं दत्तं ॥

चक्रयुक्ताया विधान ॥ दशदिगम श्रुत्या १ था वसुधनं गोवनलयनं अष्टयज्ञास्यं कीलन  
नाय चाग्रुत ॥ था वसुधनयारु १ था वदशदिगम था यनयं सद्युवोतिन दवथायन मूडादवनादि  
क्रतकं ॥ ॥ द्दगुलिरुतनस यंचणावि मूलकरु सद्यन था नाकलगा मूलवलि  
निर्झरुदवास्यं थायन ॥ ८ वायु गुनमंदल मिथुसाधन आदि अष्टयज्ञा विनायका  
युक्ता समाधि क्रुगायुक्ता दवयुक्ता यंचकरुगाधन ॥ भाद्वानिरुय ॥ कीलनरावना ॥ आ  
कषेण ॥ युष्मादियुक्ता कीलनसाधन मालका कीलन द्ददिमवनक ॥ मूडारावना गीत हाउआ  
रुनेण ॥ मूडान्नासमालका क्रियक ॥ गीत धन १ स्थानरुन ॥ निमात्रगहन ॥ चक्रध्वनी युवगा गानयुसं  
१ गुरु दत्तमा यानया क्रियक











世  
記

महाविद्यालय

॥ १ ॥

研不

河

निष्ठाश्रयि

(५) आना नादि

三

॥ १॥

आगत्यून

माभञ्ज

आमि

五

दि  
हि  
न  
वा  
दिया  
हु

नामोस्तुते

विष्णु

सि  
गंगा

卷之四

下

वैलंघिलमकजानदशकनकमनाकनहयानन  
नननयमुविनहययावा नडंग्राहंकोखंसध

॥ अथ वृद्धयश्चैव मनुजैश्च यदा  
वाप्यश्च मनुजैश्च धनित्विनामनश्च

॥ उग्रहं क्रौञ्चं सधनं वनं यश्च सद्रूपं धाधति विनमनं ॥



नैशान नायवादान

रुमले

इयिमाह

रें इमहाकान

गयायिनाय

रुमथा

ककि

रंभां व इ

रुवादान

रंभाक यसयकि

नाहाखान

वैभुनादवी

अयवागीक्षन

वैगारागति ७

वैवथनि

यिकवादान

रुमथानम्

रुमयणीध

नोनय



१ गवधं नव  
२ अशरुनी  
३ अववाहान  
४ अशवान  
५ वस्वावाभि  
६ निष्क  
७ महावृथ  
८ महाशगान ८

९ इनिष्क  
१० वृक्षायीनाय  
११ अजरुन  
१२ बसायीनाय  
१३ मखवहानी  
१४ गवधंरुनी  
१५ उधं  
१६ मखवाहान ८

१७ विथिवानवृथ रगनी यिन  
१८ कसा  
१९ खनिष्क  
२० कने

२१ गुरा २५

२२ रुव  
२३ मिमिभा  
२४ सभदा  
२५ वष  
२६ गिमिभा  
२७ घोथकु  
२८ दनानिष्क  
२९ मानमड ८  
३० यंवहि  
३१ स्वनर  
३२ वननिथ  
३३ कयनाय  
३४ वावाहान  
३५ वृग  
३६ मंगु  
३७ मयुमिथ ८

३८ वरुग  
३९ ज्ञानंयन  
४० राति







मोक्षसाधन

कोउवा

सिया

दे(उ सागि

द्योसा

पका

स्वी

कोने

पंगु

याद

भाने

काथ

थाय

स्वाने

कथान

आय

काकु

मिदु

दे(उ का

तम

जाकु

जाकु

॥ २ ॥

अमरल बज्जिनि

॥ ३ ॥

वज्रतय

मागु

॥ ४ ॥

पुजा

॥ ५ ॥

॥ ६ ॥



॥ सार्जकयति २६ ॥



